SUMMER ANNUAL EDITION-2026

अमृत उद्यान

राष्ट्रपति भवन के मुख्य भवन से सटा हुआ अमृत उद्यान विश्व के सबसे सुंदर उद्यानों में से एक है। यदि राष्ट्रपति भवन वास्तुकला की एक अनुपम कृति है, तो 15 एकड़ में फैले अमृत उद्यान को उसका प्राण माना जा सकता है। इसकी सुंदरता इसकी अभिकल्पना तथा इसकी वनस्पतियों, पेड़ों, झाड़ियों, लताओं, लॉन की घास और मौसमी फूलों में निहित है। स्थानीय वृक्ष और झाड़ियां, फव्वारे तथा जलधाराएं शीतलता और शुद्धता की अनुभूति कराती हैं। अपने पर्यावरण-अनुकूल स्वरूप के कारण उद्यान मोर, तोते, मैना, फाख्ता और कबूतर जैसे पक्षियों को बड़ी संख्या में आकर्षित करता है, जो यहां उन्मुक्त रूप से स्नान करते और विचरण करते दिखाई देते हैं। शाम के समय उद्यान में मोर को निश्चिंत होकर विचरण करते देखा जा सकता है।

अमृत उद्यान को तीन क्रमिक सीढ़ीनुमा भू-भागों में डिजाइन किया गया है। पहला भाग मुख्य भवन से सटा हुआ आयताकार उद्यान है, जिसमें उत्तर से दक्षिण दिशा में प्रवाहित होने वाली दो समानांतर जलधाराएं और इसी तरह, पूर्व से पश्चिम दिशा में प्रवाहित होने वाली दो जलधाराएं इस उद्यान को वर्गाकार ग्रिड में विभाजित करती हैं। जलधाराओं के संगम पर फव्वारों से पानी निकलता है जो कमल की पंखुड़ियों के आकार में तराशे गए त्रिस्तरीय बलुआ पत्थरों से होकर नीचे गिरता है। दिन के एक निश्चित समय पर जलधाराओं में राष्ट्रपति भवन की भव्य इमारत तथा खिले हुए फूलों का प्रतिबिंब देखा जा सकता है।

मौलसरी, साइप्रस, चाइना ऑरेंज, गार्डेनिया और ऊर्ध्वगामी लताओं से उद्यान को सदाबहार स्वरूप मिलता है। मध्य भाग या आयताकार उद्यान के बाद लॉन्ग गार्डन आता है, जो मुख्य उद्यान के पश्चिम में स्थित है और उस केंद्रीय पैदल-पथ के दोनों ओर फैला है, जो सर्कुलर गार्डन तक जाता है। लॉन्ग गार्डन लगभग 12 फीट ऊंची दीवारों से घिरा हुआ है जो कम ऊंचाई पर गुलाब की आकर्षक क्यारियों से घिरी रहती हैं। दीवारों के साथ-साथ मनोहारी छटा से

युक्त चाइना ऑरेंज के पेड़ लगे हुए हैं, जिन पर पत्तियों की तुलना में सजावटी फल अधिक संख्या में दिखाई देते हैं और यह बात प्रत्येक आगंतुक का ध्यान आकर्षित करती है।

अमृत उद्यान का तीसरा भाग सबसे पश्चिमी छोर पर स्थित सर्कुलर ('पर्ल' या 'बटरफ्लाई' अथवा 'सनकेन') गार्डन है–एक ऐसा हीरा जिसे देखकर बेशुमार खुशी होती है। इसमें सुगंधित प्रजातियों के फूल लगाए गए हैं। इसकी चारों ओर ऊंची दीवारें हैं और अधोगामी सीढ़ियां एम्फीथिएटर जैसी संरचना का आभास देती हैं। लॉन में सुगंधित प्रजातियों के फूल और मध्य में स्थित फव्वारा-युक्त जलकुंड आगंतुक को एक दिव्य अनुभूति प्रदान करते हैं।

अमृत उद्यान के सभी तीनों सीढ़ीनुमा भू-भाग, राष्ट्रपति सम्पदा के अन्य उद्यानों के साथ, ग्रीष्मकालीन मौसमी फूलों, झाड़ियों, विभिन्न प्रकार की लताओं और फूलदार वृक्षों के मनोहारी रंगों से भरे हुए हैं।

देशी/स्थानीय ग्रीष्मकालीन पेड़-पौधे

अपने जीवंत रंगों और पारिस्थितिक महत्त्व के लिए जाना जाने वाले देशी और स्थानीय पुष्पीय पौधे अमृत उद्यान के ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव-2026 के प्रमुख आकर्षण हैं। इस वर्ष उद्यान में ऐसे देशी/स्थानीय पौधों के एक बड़े संग्रह को सजावटी ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव के साथ प्रदर्शित किया गया है। इन्हें पूरे भू-भाग में सोच-समझकर व्यवस्थित किया गया है ताकि एक शानदार मौसमी नजारा पेश किया जा सके। ये आकर्षक फूल भारत की समृद्ध पुष्पीय विविधता का गुणगान करते हैं, जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं, तथा देश की मूल्यवान देशी वनस्पति विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं।

देशी संग्रह में बालसम/गुलमेहंदी, अपराजिता, बट्टुम फूल/गोम्फ्रेना, कुलफा, रुक्मिणी, बरसा फूल, मोरशिखा, दुपहरिया, लाल साग, कालिहारी और नागफना आदि शामिल हैं, जो भारत की समृद्ध पुष्पीय विरासत को प्रदर्शित करने के साथ-साथ उद्यान की जैव विविधता को बढ़ाते हैं। अन्य सजावटी ग्रीष्मकालीन

वार्षिक पौधों में इंडियन शॉट (सर्वजया/कन्ना), रजनीगंधा, इंडियन ब्लैंकेट फ्लावर, ऑर्नामेंटल टैपिओका/साबूदाना, कोचिया, कॉसमॉस, सूरजमुखी, कोलियस/रंगीन पत्ता, ट्री मैरीगोल्ड, नौ बजिया, गुल अब्बास (गुलबक्शी/फोर ओ'क्लॉक), शकरकंद और सदाबहार (पेरिविंकल) आदि शामिल हैं।

फूलों को बड़े समूहों में, मिश्रित सीमाओं और रंग-आधारित क्यारियों में लगाया गया है। इसमें पौधों की ऊंचाई, बनावट और फूल खिलने के मौसम का विशेष ध्यान रखा गया है। इन कलात्मक संयोजनों से रंगों के आकर्षक पिरामिड तैयार होते हैं और पूरे उद्यान में एक सामंजस्यपूर्ण, प्राकृतिक तथा मंत्रमुग्ध कर देने वाला भू-परिदृश्य दिखाई देता है।

राष्ट्रपति भवन के वृक्ष

अमृत उद्यान में मौलसरी अथवा बाकुल के वृक्षों की छंटाई करके मशरूम जैसा आकार दिया गया है और इन्हें जलधाराओं के किनारे तथा दोनों मुख्य लॉन की परिधि में वर्गाकार लॉन खंडों में लगाया गया है। ये उद्यान को विशिष्टता और गहराई प्रदान करते हैं। एकरूपता को तोड़ते हुए चाइना ऑरेंज के पेड़ को साइप्रस के वृक्षों के साथ एक के बाद एक लगाए गए हैं। यहां साइप्रस, कदंब, फाइकस की विभिन्न प्रजातियां, पुत्रंजीव, जुनिपर, जामुन, पाइन, अंजीर, नीम, सॉसेज ट्री और बरना आदि की कुछ प्रजातियां भी हैं।

दोनों सीढ़ीनुमा उद्यानों के पश्चिमी छोर पर स्थित दो गज़ीबो के चारों ओर पुत्रंजीव रॉक्सबर्गी लगाए गए हैं।

सेंट्रल लॉन और लॉन्ग गार्डन

लॉन्ग गार्डन में पत्थर की बीमों वाली दो परवलय संरचनाएं हैं, जिनके ऊपर की ओर निकले हुए हिस्से हाथियों की सूंड जैसे प्रतीत होते हैं। यहां एक लंबे पथ के दोनों ओर गुलाब लगाए गए हैं। केंद्रीय पथ के मध्य में स्थित बलुआ पत्थर का परवलय लताओं और पेट्रिया से ढका हुआ है। लॉन्ग गार्डन की दोनों ओर

लगभग 12 फीट ऊंची दीवारों पर बिग्नोनिया, टेकोमा ग्रैंडिफ्लोरा, एडेनोकैल्मा और जैस्मिन जैसी लताएं हैं, जो उद्यान को सुवासित कर देती हैं।

सर्कुलर गार्डन

अमृत उद्यान के पश्चिमी छोर पर स्थित सर्कुलर ('पर्ल' अथवा 'बटरफ्लाई' अथवा 'सनकेन') गार्डन में इंडियन शॉट (सर्वजया/कन्ना), रजनीगंधा, ऑर्नामेंटल टैपिओका/साबूदाना, कॉसमॉस, कोलियस/रंगीन पत्ता, ट्री मैरीगोल्ड, नौ बजिया, दुपहरिया, बॉटम फूल, शकरकंद और सदाबहार जैसी सुगंधित प्रजातियां लगाई गई हैं। इस कटोरेनुमा संरचना के मध्य में बना बबल फाउंटेन और उसके चारों ओर हरियाली इस स्थान की भव्यता को बढ़ाती है।

सर्कुलर गार्डन में मौसमी फूलों की 15 से अधिक किस्में हैं, जिनमें लंबे दुपहरिया और कन्ना भी शामिल हैं, जो उद्यान की गोलाकार दीवार के साथ लगाए गए हैं। इन फूलों पर तितलियों को मंडराते देखना अद्भुत अनुभूति देता है। उद्यान की सुंदरता बढ़ाने के लिए शानदार रंगों वाले इंडियन ब्लैंकेट फ्लावर को वृत्ताकार पट्टियों में जोड़ा गया है।

बरगद के उपवन

प्लूमेरिया गार्डन से गुजरते हुए आगंतुक गर्मियों के देशी वार्षिक पौधों से सजे टीले, विस्तृत लॉन और खूबसूरती से तैयार की गई फूलों की क्यारियां देख सकेंगे।

प्लूमेरिया गार्डन के बगल में आगंतुक बरगद के उपवन देखेंगे–एक शांत और सुकूनभरा स्थान, जहां प्रकृति और शांति में डूबने का मन करता है। बरगद के उपवन विशाल बरगद के वृक्षों का घर हैं, जो अपनी फैली हुई शाखाओं और हवाई जड़ों के लिए जाने जाते हैं और मनमोहक परिवेश का निर्माण करते हैं।

कलकल करती जलधारा

बब्बलिंग ब्रूक गार्डन इस ग्रीष्मकालीन उद्यान का नया शांतिपूर्ण स्थल है, जहां पानी का धीमा प्रवाह और जीवंत हरियाली एक सुकूनभरा वातावरण बनाते हैं।

हरी-भरी वनस्पतियों से घिरी जलधारा के बीच रंग-बिरंगे फूलों की सुंदरता दिखाई देती है। फूलों और पत्थरों के बीच से बहती यह जलधारा आगंतुकों को शांत चिंतन और प्रकृति से गहरे जुड़ाव के लिए आमंत्रित करती है तथा सामंजस्य और सुंदरता का वातावरण निर्मित करती है।

पुष्प घड़ी

पिलखन वृक्ष के पास स्थित पुष्प घड़ी अमृत उद्यान में अपनी तरह की एक नई उद्यान विशेषता है। यह एक विशिष्ट पुष्पीय डिजाइन को निरूपित करती है, जिसमें फूलों को गोलाकार रूप में लगाया गया है और इसकी बाह्य परिधि छोटे किनारी पौधों से घिरी है। यह पुष्पीय कला के स्वरूप को दर्शाने वाली एक कार्यशील घड़ी है।

पौधों की पहचान के लिए क्यूआर कोड

आगंतुकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, उद्यान में सभी प्रमुख वनस्पति प्रजातियों के लिए क्यूआर कोड लगाए गए हैं। क्यूआर कोड स्कैन करके आगंतुक वनस्पति का वैज्ञानिक नाम, प्रजाति, सामान्य नाम और प्रत्येक वनस्पति का संक्षिप्त विवरण जैसी सूचना प्राप्त कर सकते हैं। इससे पादप विविधता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा और लोग इसके महत्व को समझ सकेंगे।

****